Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 19, Issue No. 3, April-2022, ISSN 2230-7540

छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और माता-पिता की भागीदारी

Indra Pal[1]*, Dr. Rakesh Kumar Mishra[2]

[1] Research Scholar, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

[2] Professor, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

सार *- बच्चे के भावी जीवन की नींव परिवार में ही रखी जाती है। बाद के जीवन में, इन नींवों को ध्वस्त करना या पुनर्निर्माण करना असंभव नहीं तो बहुत मुश्किल हो जाता है। माता-पिता के स्नेह और समर्थन के तहत बच्चा जीवन शुरू करता है। इस तरह परिवार जीवन भर प्रभावित करते रहते हैं। जीवन भर शैक्षणिक उपलब्धि प्रभावित करने के लिए परिवार के प्रत्येक सदस्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चे के समग्र विकास को प्रभावित करने में परिवार के प्रत्येक सदस्य की महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण भूमिका होती है। माता-पिता बच्चों के प्राथमिक शिक्षक होते हैं। चूँकि आधुनिक शिक्षा बाल केन्द्रित होने के कारण बच्चे के सर्वांगीण विकास पर जोर देती है, इसे घर के उपयुक्त वातावरण में संभव बनाया जाता है, जिसमें सही पिता-बच्चे के संबंध होते हैं।*

कीवर्ड *- शैक्षणिक उपलब्धि, माता-पिता, भागीदारी*

----------X----------

परिचय

माता-पिता बच्चे के पहले और शायद सबसे महत्वपूर्ण शिक्षक होते हैं। मनुष्य की शिक्षा जन्म से ही शुरू हो जाती है और जीवन भर चलती रहती है। यह मानव जाति के बौद्धिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। शिक्षा के माध्यम से ही मनुष्य ने अपने और अपने पर्यावरण में सुधार किया है। शिक्षा व्यक्ति और समाज को उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं में सुधार करने के साथ-साथ आर्थिक विकास के लिए आवश्यक मानव पूंजी के विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।(1) एक बच्चे का विकास कई लोगों, प्रक्रियाओं और संस्थाओं से प्रभावित होता है। माता-पिता, व्यापक परिवार, सहकर्मी समूह, समूह, पड़ोस के प्रभाव, स्कूल और अन्य निकाय (जैसे चर्च, क्लब) सभी बच्चों की प्रगति को उनकी आत्म-पूर्ति और नागरिकता की दिशा में आकार देने में शामिल हैं। बच्चे स्वयं अपनी अनूठी क्षमताओं के साथ अपने व्यवहार, आकांक्षाओं और उपलब्धियों को बनाने और सुधारने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

छात्र उपलब्धि को बढ़ावा देने में एक चर के रूप में माता-पिता के समर्थन की खोज की। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि यदि विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा से अपनी क्षमता को अधिकतम करना है तो उन्हें अपने माता-पिता के पूर्ण समर्थन की आवश्यकता होगी। शिक्षा एक महत्वपूर्ण सामाजिक गतिविधि है और इसके महत्व को कम नहीं किया जा सकता है। इसकी आवश्यकता आदिम अवस्था में महसूस की गई थी। यही कारण है कि सभी उम्र के मानव जाति के नेताओं ने शिक्षा के लिए आग्रह किया।(2) उच्च शिक्षा का एक उद्देश्य छात्रों के प्रदर्शन विश्वास विकसित करना, उनके दिमाग में एक आलोचनात्मक और एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण करना है। यह संसार यदि शिक्षा के प्रकाश से आलोकित न होता तो बौद्धिक अन्धकार में आच्छादित हो जाता। कहना सही है कि सभ्यता की कहानी शिक्षा की कहानी है। इस प्रकार शिक्षा मानव जीवन का अभिन्न अंग है। यह संपूर्ण मनुष्य के विकास के लिए बुनियादी शर्त है और शिक्षा के प्रकाश से कल्याण और समृद्धि को तेज

www.ignited.in

करने के लिए महत्वपूर्ण साधन है। शिक्षा में शिक्षण और सीखना दोनों शामिल हैं।

माता-पिता का समर्थन

"परिवार" शब्द रोमन शब्द "फेमुलस" से लिया गया है जिसका अर्थ है एक नौकर। एक पारंपरिक परिवार इकाई में माता, पिता और बच्चे होते हैं। यह अपने सदस्यों को शारीरिक और भावनात्मक सुरक्षा और अपनेपन की भावना प्रदान करता है। परिवार अपने सदस्यों को उनके मानसिक, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक विकास के लिए व्यापक और सबसे व्यापक सुरक्षा और सहायता प्रदान करता है। परिवार माता-पिता और संतानों का एक स्थायी संघ है जिसका प्राथमिक कार्य बच्चे का समाजीकरण और सदस्यों की संतुष्टि है। हालांकि, बच्चे पर परिवार के प्रभाव को समझने के लिए परिवार और उसके कार्यों को समझना जरूरी है। परिवार में बच्चे के विकास में माँ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। एक बच्चा आमतौर पर अपनी मां के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताता है। केवल माँ ही नहीं, पिता भी बच्चे पर एक मजबूत और लंबे समय तक चलने वाला प्रभाव छोड़ता है और उसके भविष्य के विकास की नींव रखता है। एक बच्चे की सुरक्षा और देखभाल की पहली पंक्ति परिवार होना चाहिए।(3) बच्चे के व्यक्तित्व के पूर्ण और सामंजस्यपूर्ण विकास के लिए उसे पारिवारिक माहौल में, खुशी, प्यार और समझ के माहौल में बड़ा होना चाहिए। एक बच्चे के रिश्ते का पहला अनुभव आम तौर पर परिवार के भीतर होता है। यह बुनियादी व्यवस्था का एक छोटा सा अंतरंग समूह है जिसके भीतर अधिकांश बच्चे समाज के संपर्क में आते हैं जहां वे सीखते हैं कि समाज के भीतर और बाहरी दुनिया में कैसे व्यवहार करना है।(4)

माता-पिता-बच्चे के संबंध को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा नीचे की गई है:

- पैतृक कारक
- मातृ कारक
- बाल कारक
- पारिवारिक कारक

शैक्षणिक उपलब्धि में पालन-पोषण

माता-पिता युवा वयस्कों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो स्कूल, कॉलेज, करियर और जीवन के प्रयासों में सफल होंगे। यह हाई स्कूल के वर्षों के दौरान है कि छात्र जीवन में अपना रास्ता खोजते हैं। वे अपनी रुचियों, योग्यताओं, लक्ष्यों और सपनों की खोज करते हैं। छात्रों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने की अधिक संभावना होती है जब उनके माता-पिता सक्रिय रूप से उनकी दिशा और लक्ष्यों का समर्थन करते हैं। इसलिए, जब भी वे दिशा में आगे बढ़ रहे होते हैं तो स्मार्ट माता-पिता अपने बच्चों का समर्थन करते हैं। कई कारक आत्मविश्वास के विकास को प्रभावित करते हैं। माता-पिता का रवैया बच्चों की अपने बारे में भावनाओं के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर बच्चों के शुरुआती वर्षों में। जब माता-पिता स्वीकृति प्रदान करते हैं, तो बच्चों को अपने बारे में अच्छी भावनाओं के लिए एक ठोस आधार मिलता है। यदि एक या दोनों माता-पिता अत्यधिक आलोचनात्मक या मांग करने वाले हैं या यदि वे अति-संरक्षित बच्चे हैं, तो उन्हें विश्वास हो सकता है वे अक्षम, अपर्याप्त या निम्न हैं।(5) हालांकि, अगर माता-पिता बच्चों को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और खुद को स्वीकार करते हैं, तो यह आत्मविश्वास विकसित करने में मदद करता है। सफल माता-पिता अक्सर अपने बच्चों को सुधार करने के तरीके दिखाने के लिए प्रोत्साहन और सहायक कार्यों के शब्दों का का उपयोग करते हैं। जरूरी नहीं कि आत्मविश्वास की कमी का संबंध क्षमता की कमी से ही हो।

निम्नलिखित शैक्षणिक उपलब्धि में माता-पिता की भूमिका पर प्रकाश डालता है:

- मातापिता उपलब्धि की आवश्यकता को बढ़ावा - दे सकते हैं, अपने बच्चों को जिम्मेदारियां और तनाव मुक्त वातावरण दे सकते हैं।

- माताप्रेरणादायक -पिता को बच्चे के भीतर आत्म- स्थितियों का लाभ उठाना चाहिए। लक्ष्यतक पहुँचने के लिए आवश्यक व्यवहार अनुक्रम की मानसिक योजना बनाना बच्चे को सिखाया जा सकता है। बच्चे को व्यक्तिगत ताकत और कमजोरी का विश्लेषण करने के लिए सहायता की आवश्यकता होती है।

- माताके रूप में पिता को खुद को एक आदर्श-

www.ignited.in

प्रस्तुत करना चाहिए। बच्चे जिन मॉडलों का पालन करते हैं और उनका अनुकरण करते हैं, उन्हें वास्तविक जीवन, प्रतीकात्मक या प्रतिनिधित्वात्मक के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। छात्रों के लिए वास्तविक मॉडल में शिक्षक और मातापिता - शामिल हैं।

- माताको बच्चों से संघर्ष और अस्वीकृति को पिता- कम करने और मातापिता और शिक्षकों के साथ - सकारात्मक स्नेहपूर्ण संबंध बहाल करने के लिए यथार्थवादी अपेक्षा व्यक्त करनी चाहिए।

- जो बच्चे रचनात्मक रूप से अपनी क्षमताओं का उपयोग करने और अपने लिए चीजों का पता लगाने में लगे हुए हैं, विशेष रूप से कम उम्र में, बाद के वर्षों में उपलब्धि प्रेरणा में उच्च होने की संभावना है।

माता-पिता का व्यावसायिक स्तर, शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक स्थिति महत्वपूर्ण कारक हैं। जन्म-क्रम एक कारक है क्योंकि बच्चों की संख्या जितनी अधिक होगी, माता-पिता प्रत्येक बच्चे पर उतना ही कम ध्यान देंगे। पहले जन्मे बच्चे, कुछ समय के लिए माता-पिता के साथ अकेले, प्रारंभिक वर्षों में सबसे अधिक ध्यान आकर्षित करता है, और इस बच्चे को अन्य भाई-बहनों की तुलना में उपलब्धि की अधिक आवश्यकता होती है।(6)

शैक्षणिक उपलब्धि

शिक्षा के उद्देश्य के बारे में विभिन्न कथनों के बावजूद शैक्षणिक उपलब्धि हमेशा एक महत्वपूर्ण बिंदु और शैक्षिक अनुसंधान का मुख्य केंद्र रहा है। संपूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया में व्यक्ति की प्रगति का आकलन करने के लिए शैक्षणिक उपलब्धि बहुत महत्वपूर्ण घटक है। गुणवत्ता प्रदर्शन व्यक्तिगत प्रगति के लिए महत्वपूर्ण कारक बन गया है। माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे यथासंभव उच्च स्तर पर प्रदर्शन की सीढ़ी चढ़ें। उच्च स्तर की उपलब्धि की यह इच्छा छात्रों, शिक्षकों और सामान्य शिक्षा प्रणाली पर ही बहुत दबाव डालती है। वास्तव में, ऐसा प्रतीत होता है कि शिक्षा की पूरी प्रणाली छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके माध्यम से विभिन्न अन्य परिणामों की भी प्रणाली से अपेक्षा की जाती है। इस प्रकार, स्कूलों के बहुत समय और प्रयास का उपयोग छात्रों को उनके शैक्षिक प्रयासों में बेहतर हासिल करने में मदद करने के लिए किया जाता है।(7)

सीखना छात्रों के व्यवहार के तीन प्रमुख क्षेत्रों को प्रभावित करता है:

- संज्ञानात्मक (बौद्धिक विकास, स्मरण और मान्यता)
- प्रभावशाली (आत्म-अवधारणा और व्यक्तिगत विकास)
- साइको-मोटर (मांसपेशियों के कौशल का विकास)

ये तीनों स्तर एक समय में समान मापों में प्रभावित नहीं होते हैं। इसका मतलब है, एक छात्र एक डोमेन में उच्च स्तर पर हो सकता है और दूसरे में कम हो सकता है। उपलब्धि परीक्षा में प्राप्त अंक है।(8) यह व्यक्ति के कौशल की स्थिति या स्तर, उसके ज्ञान की सीमा और गहराई या सीखने या व्यवहार के डिजाइन किए गए क्षेत्र में उसकी दक्षता को मापता है। शैक्षणिक उपलब्धि सभी शैक्षणिक विषयों में, कक्षा में और साथ ही पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्टता है।

शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते कारक

व्यक्तिगत कारक: ये कारक स्वयं व्यक्ति से संबंधित हैं। इन कारकों में से मुख्य हैं:

- संज्ञानात्मक जैसे बुद्धि, सीखने की क्षमता, संज्ञानात्मक शैली, रचनात्मकता आदि।

- गैरसंज्ञानात्मक जैसे स्वयं और दूसरों के प्रति - दृष्टिकोण, स्कूल की धारणा, रुचियां, प्रेरणा, आकांक्षा का स्तर, अध्ययन की आदतें, व्यक्तित्व, आत्मसम्मान-, शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण।

पर्यावरणीय कारक: ये व्यक्ति के पर्यावरण से संबंधित हैं। इनमें सामाजिक-आर्थिक स्थिति, पारिवारिक लक्षण और कंपनी यानी मूल्य प्रणाली, शैक्षिक प्रणाली, मूल्यांकन की प्रणाली, शिक्षक की दक्षता, प्रशिक्षण और शिक्षण के तरीके, स्कूल का वातावरण और घर का वातावरण, सहकर्मी समूह आदि शामिल हैं।(9)

www.ignited.in

मनोवैज्ञानिक कारक: ये स्वयं व्यक्ति से संबंधित हैं उदा। बुद्धि, सीखने की क्षमता, प्रेरणा, आत्म-प्रभावकारिता, सीखने की शैली, अध्ययन कौशल, रचनात्मकता, आकांक्षा का स्तर, आत्म-अवधारणा, नियंत्रण का स्थान, रुचि, आदि। उपलब्धि के कारकों को व्यक्तिपरक और उद्देश्य कारकों के रूप में भी वर्गीकृत किया जा सकता है। व्यक्तिपरक कारक व्यक्ति की उपलब्धि को प्रभावित करते हुए स्वयं व्यक्ति से संबंधित होते हैं जैसे कि बुद्धि, सीखने की क्षमता, आत्म-प्रभावकारिता, सीखने की शैली, अध्ययन की आदतें, रचनात्मकता, आकांक्षा का स्तर, आत्म-अवधारणा, नियंत्रण का स्थान आदि। उद्देश्य कारक पर्यावरण से संबंधित हैं व्यक्ति की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, शैक्षिक प्रणाली, पारिवारिक वातावरण, मूल्यांकन प्रणाली, मूल्य प्रणाली, शिक्षक की दक्षता, स्कूल की स्थिति और पर्यावरण के रूप में। मुख्य कारक प्रभावशाली कारक जैसे।

अपने बच्चों के प्रति माता-पिता का समर्थन बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन, अधिक लेने के इरादे से संबंधित पाया गया

गणित पाठ्यक्रम, और अन्य प्रेरक लाभ (एथिंगटन, 1991; ग्रोलनिक, कुरोव्स्की, डनलप, और हेवे, 2000;

मालेकी और डेमरे, 2003)। घर पर माता-पिता का समर्थन भावनात्मक समर्थन, वाद्य समर्थन के रूप में,

सूचनात्मक समर्थन और मूल्यांकन समर्थन बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन से जुड़ा हुआ पाया गया

(मालेकी और डेमरे, 2003)। जबकि छात्रों की माता-पिता के प्रति सहायक के रूप में धारणा पर्याप्त नहीं थी

स्पष्ट छात्र-रिपोर्ट वाले कैरियर लक्ष्यों की गारंटी, कथित माता-पिता के समर्थन की कमी सीधे तौर पर संबंधित है

असूचित कैरियर लक्ष्य (हिल, रामिरेज़, और दुमका, 2003)। इसके अतिरिक्त, जो छात्र माता-पिता को बहुत अच्छा मानते हैं

समर्थन न करने वालों को सफलता में प्रचलित बाधाओं का एहसास होने की अधिक संभावना थी (हिल एट अल., 2003)। अन्य शोधकर्ताओं ने माता-पिता के समर्थन (पोमेरेन्त्ज़ और) का संदर्भ देते हुए माता-पिता की स्वायत्तता समर्थन का अध्ययन किया है

रूबल, 1998)। माता-पिता की स्वायत्तता के समर्थन का आधार आत्मनिर्णय सिद्धांत है, और इसे इस प्रकार परिभाषित किया गया है

माता-पिता के व्यवहार जो पसंद को बढ़ावा देते हैं बनाम माता-पिता के नियंत्रण/दबाव वाले व्यवहार को बढ़ावा देते हैं (ग्रोलनिक एट अल., 2000;

ग्रोलनिक, रयान, और डेसी, 1991)। माता-पिता के ये सहायक व्यवहार छात्रों से संबंधित पाए गए

उनकी स्थिति पर नियंत्रण (आंतरिक नियंत्रण), क्षमता की भावना और बेहतर पढ़ने के ग्रेड की धारणा

मिडिल से हाई स्कूल में संक्रमण (ग्रोलनिक एट अल., 1991; ग्रोलनिक एट अल., 2000).

हालाँकि, सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन के विविध संचालन के परिणामस्वरूप शोधकर्ताओं को मदद मिली है

अनुकूली और कुअनुकूली परिणामों के साथ इस चर के संबंध में परिवर्तनशीलता का पता लगाना। अनेक शोधकर्ता

निर्माण की उलझन के कारण मूल निर्माणों की स्पष्ट परिभाषाओं और बेहतर माप की आवश्यकता है

एक ही लेबल के तहत मापे गए विभिन्न निर्माणों का संचालन और प्रसार (फैन एंड चेन, 2001;

सिम्प्किंस एट अल., 2009)। वर्तमान अध्ययन उस दिशा में एक कदम है क्योंकि हम माता-पिता के एक विशेष पहलू को चित्रित करते हैं

समर्थन व्यवहार-अर्थात, सीखने के लिए घर पर माता-पिता का समर्थन। माता-पिता की भागीदारी के बारे में विद्यार्थियों की धारणा है

वास्तविक माता-पिता की भागीदारी की तुलना में अकादमिक सफलता के लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि माता-पिता स्वयं को देख सकते हैं

उनका व्यवहार उनके बच्चों की तुलना में अधिक सकारात्मक है (पॉलसन, 1994); इसलिए, वर्तमान अध्ययन में, छात्र

सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन का आकलन करने के लिए धारणाओं का उपयोग किया गया।

अपने बच्चों के प्रति माता-पिता का समर्थन बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन, अधिक लेने के इरादे से संबंधित पाया गया

गणित पाठ्यक्रम, और अन्य प्रेरक लाभ (एथिंगटन, 1991; ग्रोलनिक, कुरोव्स्की, डनलप, और हेवे, 2000;

मालेकी और डेमरे, 2003)। घर पर माता-पिता का समर्थन भावनात्मक समर्थन, वाद्य समर्थन के रूप में,

सूचनात्मक समर्थन और मूल्यांकन समर्थन बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन से जुड़ा हुआ पाया गया

(मालेकी और डेमरे, 2003)। जबकि छात्रों की माता-पिता के प्रति सहायक के रूप में धारणा पर्याप्त नहीं थी

स्पष्ट छात्र-रिपोर्ट वाले कैरियर लक्ष्यों की गारंटी, कथित माता-पिता के समर्थन की कमी सीधे तौर पर संबंधित है

www.ignited.in

असूचित कैरियर लक्ष्य (हिल, रामिरेज़, और दुमका, 2003)। इसके अतिरिक्त, जो छात्र माता-पिता को बहुत अच्छा मानते हैं

समर्थन न करने वालों को सफलता में प्रचलित बाधाओं का एहसास होने की अधिक संभावना थी (हिल एट अल., 2003)।

अन्य शोधकर्ताओं ने माता-पिता के समर्थन (पोमेरेन्ट्ज़ और) का संदर्भ देते हुए माता-पिता की स्वायत्तता समर्थन का अध्ययन किया है

रूबल, 1998)। माता-पिता की स्वायत्तता के समर्थन का आधार आत्मनिर्णय सिद्धांत है, और इसे इस प्रकार परिभाषित किया गया है

माता-पिता के व्यवहार जो पसंद को बढ़ावा देते हैं बनाम माता-पिता के नियंत्रण/दबाव वाले व्यवहार को बढ़ावा देते हैं (ग्रोलनिक एट अल., 2000;

ग्रोलनिक, रयान, और डेसी, 1991)। माता-पिता के ये सहायक व्यवहार छात्रों से संबंधित पाए गए

उनकी स्थिति पर नियंत्रण (आंतरिक नियंत्रण), क्षमता की भावना और बेहतर पढ़ने के ग्रेड की धारणा

मिडिल से हाई स्कूल में संक्रमण (ग्रोलनिक एट अल., 1991; ग्रोलनिक एट अल., 2000)।

हालाँकि, सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन के विविध संचालन के परिणामस्वरूप शोधकर्ताओं को मदद मिली है

अनुकूली और कुअनुकूली परिणामों के साथ इस चर के संबंध में परिवर्तनशीलता का पता लगाना। अनेक शोधकर्ता

निर्माण की उलझन के कारण मूल निर्माणों की स्पष्ट परिभाषाओं और बेहतर माप की आवश्यकता है

एक ही लेबल के तहत मापे गए विभिन्न निर्माणों का संचालन और प्रसार (फैन एंड चेन, 2001;

सिम्प्किंस एट अल., 2009)। वर्तमान अध्ययन उस दिशा में एक कदम है क्योंकि हम माता-पिता के एक विशेष पहलू को चित्रित करते हैं

समर्थन व्यवहार-अर्थात, सीखने के लिए घर पर माता-पिता का समर्थन। माता-पिता की भागीदारी के बारे में विद्यार्थियों की धारणा है

वास्तविक माता-पिता की भागीदारी की तुलना में अकादमिक सफलता के लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि माता-पिता स्वयं को देख सकते हैं

उनका व्यवहार उनके बच्चों की तुलना में अधिक सकारात्मक है (पॉलसन, 1994); इसलिए, वर्तमान अध्ययन में, छात्र

सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन का आकलन करने के लिए धारणाओं का उपयोग किया गया।

अपने बच्चों के प्रति माता-पिता का समर्थन बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन, अधिक लेने के इरादे से संबंधित पाया गया

गणित पाठ्यक्रम, और अन्य प्रेरक लाभ (एथिंगटन, 1991; ग्रोलनिक, कुरोव्स्की, डनलप, और हेवे, 2000;

मालेकी और डेमरे, 2003)। घर पर माता-पिता का समर्थन भावनात्मक समर्थन, वाद्य समर्थन के रूप में,

सूचनात्मक समर्थन और मूल्यांकन समर्थन बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन से जुड़ा हुआ पाया गया

(मालेकी और डेमरे, 2003)। जबकि छात्रों की माता-पिता के प्रति सहायक के रूप में धारणा पर्याप्त नहीं थी

स्पष्ट छात्र-रिपोर्ट वाले कैरियर लक्ष्यों की गारंटी, कथित माता-पिता के समर्थन की कमी सीधे तौर पर संबंधित है

असूचित कैरियर लक्ष्य (हिल, रामिरेज़, और दुमका, 2003)। इसके अतिरिक्त, जो छात्र माता-पिता को बहुत अच्छा मानते हैं

समर्थन न करने वालों को सफलता में प्रचलित बाधाओं का एहसास होने की अधिक संभावना थी (हिल एट अल., 2003)।

अन्य शोधकर्ताओं ने माता-पिता के समर्थन (पोमेरेन्ट्ज़ और) का संदर्भ देते हुए माता-पिता की स्वायत्तता समर्थन का अध्ययन किया है

रूबल, 1998)। माता-पिता की स्वायत्तता के समर्थन का आधार आत्मनिर्णय सिद्धांत है, और इसे इस प्रकार परिभाषित किया गया है

माता-पिता के व्यवहार जो पसंद को बढ़ावा देते हैं बनाम माता-पिता के नियंत्रण/दबाव वाले व्यवहार को बढ़ावा देते हैं (ग्रोलनिक एट अल., 2000;

ग्रोलनिक, रयान, और डेसी, 1991)। माता-पिता के ये सहायक व्यवहार छात्रों से संबंधित पाए गए

उनकी स्थिति पर नियंत्रण (आंतरिक नियंत्रण), क्षमता की भावना और बेहतर पढ़ने के ग्रेड की धारणा

मिडिल से हाई स्कूल में संक्रमण (ग्रोलनिक एट अल., 1991; ग्रोलनिक एट अल., 2000)।

हालाँकि, सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन के विविध संचालन के परिणामस्वरूप शोधकर्ताओं को मदद मिली है

अनुकूली और कुअनुकूली परिणामों के साथ इस चर के संबंध में परिवर्तनशीलता का पता लगाना। अनेक शोधकर्ता

निर्माण की उलझन के कारण मूल निर्माणों की स्पष्ट परिभाषाओं और बेहतर माप की आवश्यकता है

एक ही लेबल के तहत मापे गए विभिन्न निर्माणों का संचालन और प्रसार (फैन एंड चेन, 2001;

www.ignited.in

सिम्प्किंस एट अल., 2009)। वर्तमान अध्ययन उस दिशा में एक कदम है क्योंकि हम माता-पिता के एक विशेष पहलू को चित्रित करते हैं

समर्थन व्यवहार-अर्थात, सीखने के लिए घर पर माता-पिता का समर्थन। माता-पिता की भागीदारी के बारे में विद्यार्थियों की धारणा है

वास्तविक माता-पिता की भागीदारी की तुलना में अकादमिक सफलता के लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि माता-पिता स्वयं को देख सकते हैं

उनका व्यवहार उनके बच्चों की तुलना में अधिक सकारात्मक है (पॉलसन, 1994); इसलिए, वर्तमान अध्ययन में, छात्र

सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन का आकलन करने के लिए धारणाओं का उपयोग किया गया।

माता-पिता का समर्थन

उनके बच्चों का बंदरगाह बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन, अधिक लेने के इरादे से संबंधित पाया गया

गणित पाठ्यक्रम, और अन्य प्रेरक लाभ (एथिंगटन, 1991; ग्रोलनिक, कुरोव्स्की, डनलप, और हेवे, 2000;

मालेकी और डेमरे, 2003)। घर पर माता-पिता का समर्थन भावनात्मक समर्थन, वाद्य समर्थन के रूप में,

सूचनात्मक समर्थन और मूल्यांकन समर्थन बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन से जुड़ा हुआ पाया गया

(मालेकी और डेमरे, 2003)। जबकि छात्रों की माता-पिता के प्रति सहायक के रूप में धारणा पर्याप्त नहीं थी

स्पष्ट छात्र-रिपोर्ट वाले कैरियर लक्ष्यों की गारंटी, कथित माता-पिता के समर्थन की कमी सीधे तौर पर संबंधित है

असूचित कैरियर लक्ष्य (हिल, रामिरेज़, और दुमका, 2003)। इसके अतिरिक्त, जो छात्र माता-पिता को बहुत अच्छा मानते हैं

समर्थन न करने वालों को सफलता में प्रचलित बाधाओं का एहसास होने की अधिक संभावना थी (हिल एट अल., 2003)।

अन्य शोधकर्ताओं ने माता-पिता के समर्थन (पोमेरेन्ट्ज़ और) का संदर्भ देते हुए माता-पिता की स्वायत्तता समर्थन का अध्ययन किया है

रूबल, 1998)। माता-पिता की स्वायत्तता के समर्थन का आधार आत्मनिर्णय सिद्धांत है, और इसे इस प्रकार परिभाषित किया गया है

माता-पिता के व्यवहार जो पसंद को बढ़ावा देते हैं बनाम माता-पिता के नियंत्रण/दबाव वाले व्यवहार को बढ़ावा देते हैं (ग्रोलनिक एट अल., 2000;

ग्रोलनिक, रयान, और डेसी, 1991)। माता-पिता के ये सहायक व्यवहार छात्रों से संबंधित पाए गए

उनकी स्थिति पर नियंत्रण (आंतरिक नियंत्रण), क्षमता की भावना और बेहतर पढ़ने के ग्रेड की धारणा

मिडिल से हाई स्कूल में संक्रमण (ग्रोलनिक एट अल., 1991; ग्रोलनिक एट अल., 2000)।

हालाँकि, सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन के विविध संचालन के परिणामस्वरूप शोधकर्ताओं को मदद मिली है

अनुकूली और कुअनुकूली परिणामों के साथ इस चर के संबंध में परिवर्तनशीलता का पता लगाना। अनेक शोधकर्ता

निर्माण की उलझन के कारण मूल निर्माणों की स्पष्ट परिभाषाओं और बेहतर माप की आवश्यकता है

एक ही लेबल के तहत मापे गए विभिन्न निर्माणों का संचालन और प्रसार (फैन एंड चेन, 2001;

सिम्प्किंस एट अल., 2009)। वर्तमान अध्ययन उस दिशा में एक कदम है क्योंकि हम माता-पिता के एक विशेष पहलू को चित्रित करते हैं

समर्थन व्यवहार-अर्थात, सीखने के लिए घर पर माता-पिता का समर्थन। माता-पिता की भागीदारी के बारे में विद्यार्थियों की धारणा है

वास्तविक माता-पिता की भागीदारी की तुलना में अकादमिक सफलता के लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि माता-पिता स्वयं को देख सकते हैं

उनका व्यवहार उनके बच्चों की तुलना में अधिक सकारात्मक है (पॉलसन, 1994); इसलिए, वर्तमान अध्ययन में, छात्र

सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन का आकलन करने के लिए धारणाओं का उपयोग किया गया।

अपने बच्चों के प्रति माता-पिता का समर्थन बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन, अधिक लेने के इरादे से संबंधित पाया गया

गणित पाठ्यक्रम, और अन्य प्रेरक लाभ (एथिंगटन, 1991; ग्रोलनिक, कुरोव्स्की, डनलप, और हेवे, 2000;

मालेकी और डेमरे, 2003)। घर पर माता-पिता का समर्थन भावनात्मक समर्थन, वाद्य समर्थन के रूप में,

सूचनात्मक समर्थन और मूल्यांकन समर्थन बच्चों के व्यक्तिगत समायोजन से जुड़ा हुआ पाया गया

(मालेकी और डेमरे, 2003)। जबकि छात्रों की माता-पिता के प्रति सहायक के रूप में धारणा पर्याप्त नहीं थी

स्पष्ट छात्र-रिपोर्ट वाले कैरियर लक्ष्यों की गारंटी, कथित माता-पिता के समर्थन की कमी सीधे तौर पर संबंधित है

असूचित कैरियर लक्ष्य (हिल, रामिरेज़, और दुमका, 2003)। इसके अतिरिक्त, जो छात्र माता-पिता को बहुत अच्छा मानते हैं

www.ignited.in

समर्थन न करने वालों को सफलता में प्रचलित बाधाओं का एहसास होने की अधिक संभावना थी (हिल एट अल., 2003)।
अन्य शोधकर्ताओं ने माता-पिता के समर्थन (पोमेरेन्ट्ज़ और) का संदर्भ देते हुए माता-पिता की स्वायत्तता समर्थन का अध्ययन किया है
रूबल, 1998)। माता-पिता की स्वायत्तता के समर्थन का आधार आत्मनिर्णय सिद्धांत है, और इसे इस प्रकार परिभाषित किया गया है
माता-पिता के व्यवहार जो पसंद को बढ़ावा देते हैं बनाम माता-पिता के नियंत्रण/दबाव वाले व्यवहार को बढ़ावा देते हैं (ग्रोलनिक एट अल., 2000;
ग्रोलनिक, रयान, और डेसी, 1991)। माता-पिता के ये सहायक व्यवहार छात्रों से संबंधित पाए गए
उनकी स्थिति पर नियंत्रण (आंतरिक नियंत्रण), क्षमता की भावना और बेहतर पढ़ने के ग्रेड की धारणा
मिडिल से हाई स्कूल में संक्रमण (ग्रोलनिक एट अल., 1991; ग्रोलनिक एट अल., 2000)।
हालाँकि, सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन के विविध संचालन के परिणामस्वरूप शोधकर्ताओं को मदद मिली है
अनुकूली और कुअनुकूली परिणामों के साथ इस चर के संबंध में परिवर्तनशीलता का पता लगाना। अनेक शोधकर्ता
निर्माण की उलझन के कारण मूल निर्माणों की स्पष्ट परिभाषाओं और बेहतर माप की आवश्यकता है
एक ही लेबल के तहत मापे गए विभिन्न निर्माणों का संचालन और प्रसार (फैन एंड चेन, 2001;
सिम्प्किंस एट अल., 2009)। वर्तमान अध्ययन उस दिशा में एक कदम है क्योंकि हम माता-पिता के एक विशेष पहलू को चित्रित करते हैं
समर्थन व्यवहार-अर्थात, सीखने के लिए घर पर माता-पिता का समर्थन। माता-पिता की भागीदारी के बारे में विद्यार्थियों की धारणा है
वास्तविक माता-पिता की भागीदारी की तुलना में अकादमिक सफलता के लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि माता-पिता अपने स्वयं के विचार कर सकते हैं
उनका व्यवहार उनके बच्चों की तुलना में अधिक सकारात्मक है (पॉलसन, 1994); इसलिए, वर्तमान अध्ययन में, छात्र

सीखने के लिए घर पर माता-पिता के समर्थन का आकलन करने के लिए धारणाओं का उपयोग किया गया।

माता-पिता की भागीदारी के निर्धारक

उनकी भूमिका के बारे में माता-पिता के संज्ञान को सहायक पालन-पोषण में संलग्न होने की उनकी इच्छा में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में पहचाना गया है। हमने माता-पिता के संज्ञान के तीन रूपों पर ध्यान केंद्रित किया: अपने बच्चों के भविष्य के व्यवसाय से संबंधित माता-पिता की आकांक्षाएं, अपने बच्चों के पालन-पोषण और उन्हें शिक्षित करने में उनकी आत्म-प्रभावकारिता, और स्कूल के बारे में उनकी धारणा।(10)

माता-पिता की आकांक्षाएँ - माता-पिता की आकांक्षाएँ आदर्शवादी आशाओं या लक्ष्यों को संदर्भित करती हैं जो माता-पिता भविष्य की प्राप्ति के संबंध में बना सकते हैं। माता-पिता जो अपने बच्चों के भविष्य के लिए उच्च आकांक्षा रखते हैं, उन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रयास करने के लिए अधिक इच्छुक होने की संभावना है। वास्तव में, शोध के साक्ष्य बताते हैं कि शैक्षिक और व्यावसायिक आकांक्षाएं उन तरीकों से जुड़ी हुई हैं जिनसे माता-पिता बच्चों की गतिविधियों, समय और सीखने के माहौल को आकार देते हैं।

माता-पिता की भागीदारी में बाधाएं

यद्यपि माता-पिता की भागीदारी को बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन माता-पिता की भागीदारी के संबंध में बहुत विविधता है। कुछ कारक मौजूद हैं जिन पर स्कूलों का बहुत कम नियंत्रण है और ये कारक शैक्षिक निर्णय निर्माताओं के लिए बहुत रुचि के हो गए हैं । आज के माता-पिता अक्सर दैनिक जीवन के विकर्षणों और मांगों में व्यस्त रहते हैं। कम आय, अनम्य काम के घंटे और भाषा की बाधाओं के कारण, कुछ माता-पिता स्कूल की गतिविधियों में भाग लेने या नियमित रूप से अपने बच्चों की स्कूली शिक्षा में भाग लेने में असमर्थ हैं।(11) कई माता-पिता कम आत्मसम्मान से पीड़ित हैं और दूसरों को खुद स्कूल में सफलता का अनुभव नहीं हुआ और इसलिए अपने बच्चों की मदद करने के लिए ज्ञान और आत्मविश्वास की कमी है। जिन अभिभावकों ने स्कूल में सफलता का अनुभव नहीं किया, वे इसे नकारात्मक रूप से देख सकते हैं। माता-पिता भाषा, पाठ्यक्रम और कर्मचारियों से भयभीत हो सकते हैं; फलस्वरूप वे स्कूल के साथ संचार से बचते हैं। माता-पिता ने अपने छात्र की माध्यमिक शिक्षा में शामिल होने में कठिनाई बढ़ा दी है क्योंकि यह निर्धारित करने के लिए कि कौन सा शिक्षक बच्चे के शैक्षणिक कार्यक्रम के किस हिस्से के लिए जिम्मेदार है। शहरी माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा में उतना ही भाग ले सकते हैं और चाहते हैं जितना कि मध्यम वर्ग के माता-पिता। उसने यह भी बताया कि, एकल-माता-पिता की भागीदारी अक्सर अनम्य अवकाश

www.ignited.in

नीतियों और बच्चे की देखभाल की जिम्मेदारियों से बाधित होती है। कई स्कूल अधिकारी पहले से ही तय कर लेते हैं कि एकल और निम्न-आय वाले कामकाजी माता-पिता से संपर्क नहीं किया जा सकता है या उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।(12) उनसे अपने बच्चों की कक्षा में भाग लेने, बैठकों में भाग लेने, या घर पर सीखने की गतिविधियों में सहायता प्रदान करने की अपेक्षा नहीं की जाती है।

निष्कर्ष

वर्तमान अध्ययन में माता-पिता को आवश्यक क्षेत्रों में उपयुक्त रूप से सुसज्जित करने का अनुमान है, ताकि वे समग्र विकास के लिए अपने बच्चों को संभालने और समर्थन करने में सक्षम होंगे । इस निष्कर्ष से उच्च माध्यमिक छात्रों के बीच माता-पिता के समर्थन, शैक्षणिक उपलब्धि के मध्यम स्तर का पता चला । माता-पिता अधिकतम सहायता प्रदान करने में सक्षम नहीं हैं, उनकी पारिवारिक समस्याओं और अन्य कारणों से हो सकता है। माता-पिता की उच्च स्तरीय सहायता से छात्रों का शैक्षणिक उपलब्धि बढ़ेगी । हायर सेकंडरी के छात्रों पर निशाना साधे जा रहे इस अध्ययन का फायदा किशोर अवस्था उनके शैक्षणिक उपलब्धि के स्तर को बढ़ाने का सही समय है। सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त स्कूल के छात्रों में शैक्षणिक उपलब्धि अलग होता है । शिक्षकों और स्कूल अपनी क्षमता, उनके शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार करने के लिए उच्च चुनौतीपूर्ण मंच स्थापित करने के लिए वास्तविक रुचि ले सकते हैं।

संदर्भ

1. सुधाकर, के., और नेल्लैयापेन, एन.ओ. (2016)। हाई स्कूल के छात्रों की अकादमिक उपलब्धि और अभिभावक-बाल संबंधों के बीच संबंध- एक अध्ययन ।

2. सेल्वराज और ज्ञानदेवन (2016)। उच्च माध्यमिक छात्रों के आत्मविश्वास और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध। एडुट्रैक्स, 16(1).

3. मोनिका, एस.बी., और मार्च पी. (2016)। ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों की माता-पिता की भागीदारी और पारस्परिक बुद्धि। शिक्षा पर अनुसंधान और विचार, 7(03)।

4. विजयाप्रिया और नेल्लैयापेन (2015)। पुडुचेरी में किशोरावस्था में गणित में उपलब्धि के संबंध में माता-पिता की भागीदारी। शैक्षिक अनुसंधान में नए क्षितिज, 7(1).

5. टंसेल (2015)। एक विदेशी भाषा के रूप में तुर्की सीखने और आत्मविश्वास के बीच संबंध। शैक्षिक अनुसंधान और समीक्षा, 10(18), 2575-2589।

6. टोकस (2015)। वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और अध्ययन आदत का तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च, (4), 44-52।

7. संग (2015)। केरिचो काउंटी, केन्या में छात्र की पारिवारिक सामाजिक-आर्थिक स्थिति, स्कूल श्रेणी और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, 3{2),647-656।

8. प्रसाद (2015)। आत्म-अवधारणा और आत्म-विश्वास के बीच संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ़

9. नूह, एरोमोलरन और बेन्सन (2015)। अपने बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन के प्रति माता-पिता का रवैया: सामाजिक विकास के लिए निहितार्थ। मानविकी और सामाजिक अध्ययन में अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2(1),22-27.

10. कामथ, ए.के. (2015)। सकारात्मक सोचें और चीजें खराब होंगी/7एफ।नई दिल्ली: लोटस प्रेस पब्लिशर्स।

11. जयलक्ष्मी और राजा, डब्ल्यू.डी. (2015)। माता-पिता की शिक्षा: प्रारंभिक किशोरों में व्यवहार संबंधी विकारों का पूर्वसूचक। शैक्षिक अनुसंधान में नए क्षितिज, 7(2)।

12. ग्रेस एंड वेलिअप्पन (2015)। अपने बच्चों की स्वास्थ्य देखभाल के प्रति माता-पिता के प्रोत्साहन का प्रभाव। शैक्षिक मनोविज्ञान पर जर्नल, 8(4)।

Corresponding Author

Indra Pal*

Research Scholar, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

www.ignited.in